

रंग-बिरंगी चूनरिया SSS

ओढ़ो-ओढ़ो हलिया महान ॥2॥

मेरी बात-जरा तो मान, रे SSSS

आज कन्हैया मैंने ठानी SSS

एक न मांनू तेरी

कृष्ण बनूंगी आज सावरे SSSS

बनतू राधा मेरी ॥2॥

काहे बनते हो नादान रे SSS

रंग-बिरंगी-----

आज राधिका-कृष्ण बने हैं

राधा बनी कन्हैयाई

नाक में नथनी-झिलमिल डोले

बिड़ियाँ खूब सुहाई

कान्हा आज समझ में आई

कान्हा, न कर इतना तू गुमान रे SSS ॥2॥

रंग-बिरंगी-----

रंग- बिरंगी चूड़ी पहिनी

बैदी चमके लिलार

स्वी श्याम जू- हाथन में हदी

पायल की झनकार

कान्हा न बन तू अंजान रे ३३३३

रंग-बिरंगी चूनरिया-----

आठ हाथ का लेंहगा पहिना

गले बैजन्ती माला

नैना लगे रसीले मोहन

मोह गई बृजवाला

कर दी तुझपे निहावर जान रे ३३३३ ॥ २ ॥

रंग-बिरंगी चूनरिया-----

अब "श्री बाबा श्री" राधा बन बैठे

सीखयाँ करें ठिठोली

राधा ने मुख चूमा श्याम का

फिर धीरे से बोली

कान्हा- ओढ़ो चतुर सुजान रे ३३३३

ओढ़ो- ओढ़ो चतुर सुजान रे